महाविद्यालय की 10 छात्राओं का जिला मजिस्ट्रेट से संवाद (काफी विथ डी0एम0) हेतु शैक्षिक भ्रमण – एक प्रेरणादायक अवसर।।

दिनांक 10 अक्टूबर 2024

महाविद्यालय की छात्राओं का जिला प्रशासन से संवाद–समाज सेवा और प्रशासनिक जिम्मेदारियों की दिशा में कदम–

राजकीय महाविद्यालय अमोड़ी (चम्पावत) के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) अजिता दीक्षित के मार्गदर्शन में 10 छात्राओं का चयन किया गया, जिन्होंने काफी विथ डीएम कार्यक्रम में भाग लेकर जिला मजिस्ट्रेट, चम्पावत के साथ संवाद स्थापित किया।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को न केवल प्रशासनिक कार्यों की जानकारी देना था, बल्कि उन्हें समाज और शासन के बीच के गहरे संबंध को समझाने के लिए प्रेरित करना था।

एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. पुष्पा की संयोजन में आयोजित इस शैक्षिक भ्रमण का मुख्य उद्देश्य था कि छात्राएं प्रशासनिक प्रक्रियाओं को करीब से समझ सकें और समाज में अपनी भूमिका को और अधिक प्रभावी ढंग से निभा सकें। महाविद्यालय के सत्र 2024–25 के अंतर्गत आईक्यूएसी सेल ने इस भ्रमण को छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए एक महत्वपूर्ण कदम माना, जिससे उनका सामाजिक दायित्वों के प्रति दृष्टिकोण और अधिक परिपक्व हो सकेगा।

प्रशासनिक जिम्मेदारी और समाज सेवा में तालमेल– कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने जाना कि प्रशासन किस प्रकार समाज में प्रभावी बदलाव लाने में अहम भूमिका निभाता है। उन्होंने देखा कि किस प्रकार से सरकारी योजनाओं का क्रियान्वयन, सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों की देखरेख और आम जनता के मुद्दों का समाधान किया जाता है। इस अनुभव से छात्राओं ने समझा कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रशासनिक दक्षता और सेवा भाव का संतुलन कितना आवश्यक है।

आपदा प्रबंधन से समाज सेवा तक– छात्राओं को यह भी बताया गया कि आपदा प्रबंधन और आपातकालीन सेवाओं में प्रशासन की क्या भूमिका होती है। समाज के कमजोर वर्गों के कल्याण के लिए सरकारी योजनाओं की आवश्यकता और उनके प्रभावी क्रियान्वयन पर भी चर्चा की गई। यह अनुभव उन्हें समाज के प्रति संवेदनशीलता और जिम्मेदारी के भाव से प्रेरित करेगा, जो किसी भी अच्छे नागरिक के लिए महत्वपूर्ण गुण हैं।

समाज और शासन का आपसी संवाद– कार्यक्रम ने छात्राओं को यह सिखाया कि शासन और समाज का आपसी संवाद कैसे एक स्वस्थ लोकतंत्र की नींव रखता है। जिला मजिस्ट्रेट के साथ हुई चर्चा ने उन्हें यह समझने का मौका दिया कि नागरिकों की भागीदारी और उनकी समस्याओं को सुनना शासन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी होती है।

प्राचार्य प्रो. (डॉ.) अजिता दीक्षित का संदेश– प्राचार्य प्रो. (डॉ.) अजिता दीक्षित ने छात्राओं को इस अनुभव से प्रेरणा लेने और भविष्य में समाज के प्रति जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा, समाज का सशक्तिकरण तभी संभव है जब युवा अपनी जिम्मेदारियों को समझें और प्रशासन की कार्यप्रणाली से परिचित होकर समाज की बेहतरी के लिए योगदान दें।

यह कार्यक्रम छात्राओं के लिए केवल शैक्षिक भ्रमण नहीं, बल्कि एक ऐसा मंच था जहाँ उन्होंने समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी और प्रशासनिक कार्यों के महत्व को गहराई से समझा। यह अनुभव उन्हें न केवल बेहतर छात्रा, बल्कि एक जागरूक और जिम्मेदार नागरिक के रूप में विकसित करने में सहायक सिद्ध होगा। समाज और प्रशासन का यह जुड़ाव छात्राओं को भविष्य में समाज सेवा और प्रशासनिक कार्यों में एक ठोस आधार प्रदान करेगा, जिससे वे समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में अपनी भूमिका को और भी प्रभावी बना सकेंगी।

" बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ "
अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस

" बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ "
अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस

GPS Map Camera
Champawat,UT,India
Collectorate Road, Chaniya, Champawat, 262523,
UT, India
Lat 29.342603, Long 80.087559
10/10/2024 02:48 PM GMT+05:30
Note : Captured by GPS Map Camera

कार्यालय चम्पावत जिलाधिकारी जिला मजिस्ट्रेट-चम्पावत

GPS Map Camera
Champawat, Uttarakhand, India
62GX+84X, Bhaunali, Champawat, Bhanauli, Uttarakhand 262523, India
Lat 29.225278°
Long 80.046562°
10/10/24 11:00 AM GMT +05:30
Google